मंच Exam

DNA ऑफ हरियाणा

HSSC व HPSC की सभी परीक्षाओं के लिए रामबाण बुक

- HSSC Previous Year (2016-23) Questions
- Topic & Chapterwise Questions
- NTA व HSSC के नवीनतम पैटर्न पर आधारित
- त्रुटिरहित सरकारी तथ्य व आंकड़ों पर आधारित

विशेष आकर्षण

हरियाणा की पहली त्रुटिरहित व चैप्टरवाईज व्याख्या सहित पुस्तक

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

DNA ऑफ हरियाणा

HSSC व HPSC की सभी परीक्षाओं के लिए रामबाण बुक

- HSSC Previous Year (2016-23) Questions
- Topic & Chapterwise Questions
- NTA व HSSC के नवीनतम पैटर्न पर आधारित
- त्रुटिरहित सरकारी तथ्य व आंकड़ों पर आधारित

विशेष आकर्षण

हरियाणा की पहली त्रुटिरहित व चैप्टरवाईज व्याख्या सहित पुस्तक

संदीप सिवाच | सुभाष सर | B.P. झाझड़िया

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

"पढ़ लो चाहे कहीं से – सिलेक्शन होंगे यहीं से"

अब घर बैठे करें
किसी भी एग्जाम की बेहतरीन तैयारी

GET IT ON Google Play

EXAM MANCH App के साथ

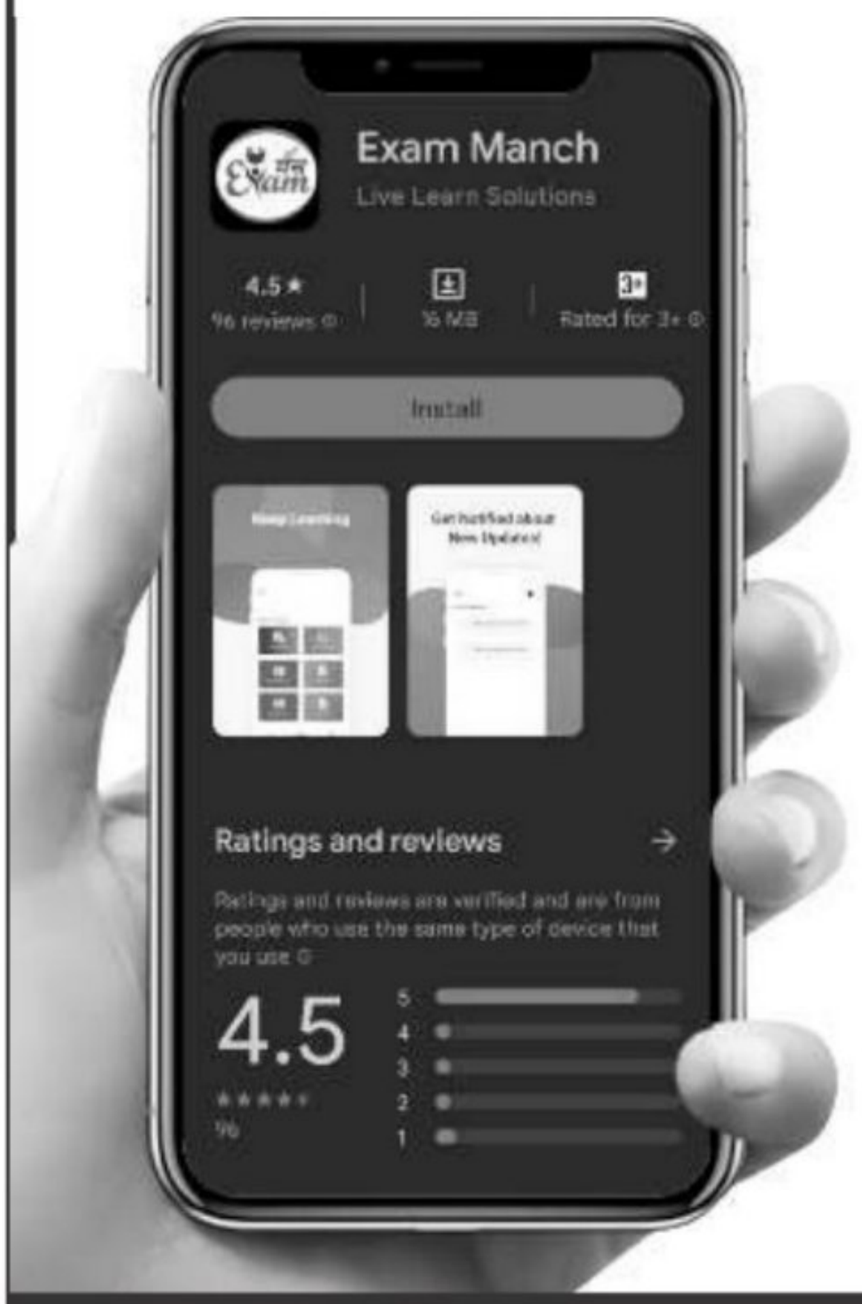

- All Competitive & Entrance Exams
- Result Oriented Approach
- Updated Error Free Content
- Live + Recorded Classes Available
- PDF, Class Notes & Mock Test

अभी Enroll करें और
बेहतरीन कंटेट के साथ जुड़ कर अपनी
नौकरी सुनिश्चित् करें।

For Any Query

98123-07176, 81820-00825

पुस्तक मंगवाने के लिए
डिस्ट्रीब्यूटर और बुक विक्रेता अभी सम्पर्क करें :-

M.: 98123-07176, 97287-83400

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक "**DNA ऑफ हरियाणा**" प्रदेश की सभी परीक्षाओं हेतु पूर्णत: परिवर्धित व परिमार्जित संस्करण है। HSSC व HPSC की बदलती प्रकृति व प्रश्नों की व्यापकता को देखते हुए इस पुस्तक की विषय वस्तु को इस प्रकार से व्यवस्थित किया गया है कि तथ्य व संकल्पना का बेहतर समन्वय हो सके। इस पुस्तक का महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें अनावश्यक सामग्री से बचते हुए यथासंभव प्रयास किया गया है कि कोई परीक्षोपयोगी प्रकरण व प्रश्न ना छूटे ताकि विद्यार्थियों के बहुमूल्य समय को बचाया जा सके।

मैं धन्यवाद करना चाहूँगा, उन प्रतियोगी छात्रों व मित्रों को जिन्होंने इस पुस्तक के लेखन हेतु ऊर्जावान प्रेरणा दी। इस पुस्तक को स्वरूप देने का कार्य सुभाष सर, बृजपाल झाझड़िया और श्रीमती रूबल सिवाच के सहयोग और समर्थन के बिना पूरा नहीं हो सकता था।

अब ये बेहतरीन पुस्तक आपके हाथों में है और मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक आपके लिए अवश्य उपयोगी सिद्ध होगी। किसी ने सच ही कहा है कि कोई भी रचना एवं कृति पूर्ण नहीं होती और उसमें सदैव सुधार की असीम संभावनाएँ विद्यमान रहती हैं, अत: प्रस्तुत पुस्तक भी इसका अपवाद नहीं है। अत: सभी पाठकों से अनुरोध है कि वे अपने बहुमूल्य सुझावों से अवगत करवा कर लेखक को अनुग्रहित करें।

आप सभी प्यारे बच्चों के सहयोग से ही मुझे भारत के सबसे बड़े प्लेटफार्म Careerwill, Unacademy, Adda247, Dhurina आदि पर अध्यापन करने का अनुभव प्राप्त हुआ।

आप सभी प्यारे बच्चों को आपकी मंजिल अवश्य मिले, आपके उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ।

"कैसे हार मान जाऊँ इन मुसीबतों के सामने,
मेरी माँ मेरी नौकरी की आस में कब से बैठी है।"

– संदीप सिवाच
(G.K. Expert)

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

EXAM MANCH APP.

विषय-सूची

EXAM MANCH APP.

1	प्राचीन इतिहास	1-24
2	मध्यकालीन इतिहास	25-43
3	आधुनिक इतिहास	44-63
4	राज्यव्यवस्था	64-103
5	भौगोलिक परिचय व अपवाह तंत्र	104-122
6	वन विभाग	123-139
7	शिक्षा संस्थान व स्वास्थ्य	140-149
8	कृषि व पशुपालन	150-160
9	मिट्टी व जलवायु	161-168
10	विद्युत, उद्योग व खनिज संसाधन	169-176
11	हरियाणा परिवहन एवं संचार व्यवस्था	177-183
12	भाषा व साहित्य (समाचार-पत्र, पत्रिकाएं)	184-198
13	कला व संग्रहालय	199-200
14	वेशभूषा, मेले, उत्सव, दरगाह, मजार, गुरुद्वारे, मस्जिद	201-224
15	हरियाणा के लोकनृत्य	225-231
16	खेल व खेल पुरस्कार	232-248
17	प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान	249-255
18	हरियाणा बोर्ड, निगम व संस्थान	256-264
19	व्यक्तित्व	265-268
20	फिल्म	269-281
21	योजनाएँ	282-295
22	हरियाणा के जिले	296-302
23	हरियाणा के वाद्य यंत्र	303-305
24	महिलाओं व पुरुषों के आभूषण	306-308

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

प्राचीन इतिहास

1. महाभारत में हरियाणा को बहुधान्यक कहा गया है। बहुधान्यक का क्या अर्थ है?

(a) देवों की भूमि (b) अनाजों की भूमि

(c) कृषि की भूमि **(d) अत्यधिक समृद्ध भूमि**

व्याख्या महाभारत काल से ही हरियाणा को भरपूर अनाज (बहुधान्यक) और विशाल धन (बहुधना) की भूमि के रूप में जाना जाता है।

- प्राण नाथ चोपड़ा के अनुसार हरियाणा का नाम अभिरायाणा–अहिरयाणा–हिरयाना–हरियाणा से मिला।
- इस महाकाव्य युद्ध से पहले कुरुक्षेत्र में दस राजाओं का युद्ध हुआ था। लेकिन यह महाभारत था, जो उच्चतम नैतिक सिद्धांतों के लिए लड़ा गया था जिसने इस क्षेत्र को विश्वभर में प्रसिद्ध बना दिया। पवित्र भगवद् गीता में व्यक्त भगवान कृष्ण के गहन और सूक्ष्म विचारों के लिए धन्यवाद, जिसे उन्होंने एक कांपते अर्जुन को सुनाया।
- हरियाणा का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसी भूमि पर महाभारत की रचना संत वेद व्यास ने सरस्वती नदी के किनारे बैठकर कुरुक्षेत्र में की थी।
- यहीं पर भगवान कृष्ण ने महाभारत के महाकाव्य युद्ध शुरू होने से ठीक पहले अर्जुन को कर्तव्य का सुसमाचार सुनाया था।

2. पाणिनी ने अपनी पुस्तक अष्टाध्यायी में यौधेय गण के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है?

(a) द्विवार्ग **(b) आयुधजीवी**

(c) गणस्यम् (d) पवित्रम्

व्याख्या मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद हरियाणा मुख्य गणराज्यों में विभाजित था। इन्हीं गणराज्यों में सबसे प्रमुख यौधेय गणराज्य था।

- यौधेय शब्द की उत्पत्ति योद्धा से हुई है जिसकी पुष्टि जूनागढ़ (गुजरात) से प्राप्त अभिलेख से होती है।
- इस गणराज्य के लिए पाणिनी ऋषि ने भी अपनी प्रसिद्ध पुस्तक अष्टाध्यायी में आयुधजीवी शब्द का प्रयोग किया है जिसका अर्थ शस्त्रों पर निर्वाह करने वाला होता है।
- इस गणराज्य की राजधानी नौरंगाबाद (भिवानी) थी।
- इस गणराज्य का पूजनीय देवता भगवान कार्तिकेय और प्रतीक चिह्न मोर था।
- यौधेयों की शक्ति का अंत करने का श्रेय गुप्त शासक समुद्रगुप्त को जाता है।

3. टोहाना का नाम तोशालय था। इस बात की जानकारी हमें निम्नलिखित में से किस पुस्तक से मिलती है?

(a) आईने अकबरी (b) किताब उल हिंद

(c) अष्टाध्यायी (d) पृथ्वीराज रासो

व्याख्या अष्टाध्यायी, महर्षि पाणिनि द्वारा संस्कृत में लिखी गई 8 अध्यायों वाली पुस्तक का नाम है।

- इसी पुस्तक में हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन किया गया है। फतेहाबाद जिले के ऐतिहासिक कस्बे टोहाना का नाम तोशालय बताया गया है।
- टोहाना को हरियाणा में नहरों का नगर कहा जाता है। टोहाना में बना हुआ प्राचीन किला अपने ऊपर 38 बार आक्रमण के लिए जाना जाता है।

4. भगवद्गीता के किस अध्याय में भगवान श्री कृष्ण का दिव्य रूप दर्शाया गया है?

(a) अध्याय 11 (b) अध्याय 12

(c) अध्याय 18 (d) इनमें से सभी

व्याख्या गीता पवित्र पुस्तक महाभारत नामक ग्रंथ से ली गई है। गीता में कुल 18 अध्याय हैं।

- जिनमें से ग्यारहवें अध्याय के आरम्भ में भगवान श्री कृष्ण ने विश्वरूप के दर्शन के रूप में अपने को प्रत्यक्ष किया।
- गीता में कुल श्लोकों की संख्या 700 है और गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

5. निम्नलिखित में से किस बौद्ध धर्म ग्रंथ से पता चलता है कि गुरुग्राम का धनकोट गाँव कुरुक्षेत्र का समकालीन रहा है?

(a) दिव्यावदान (b) मंजुमश्रीमुलकल्प

(c) चुल्लबग **(d) मंजिमनिकाय**

व्याख्या हरियाणा के बारे में जानकारी देने वाले दो मुख्य बौद्ध धर्म ग्रंथ दिव्यावदान व मंजिम निकाय हैं।

- मंजिम निकाय बौद्ध धर्म ग्रंथ के अनुसार महात्मा बुद्ध द्वारा गुरुग्राम के धनकोट गाँव में रत्थपात नामक शिष्य को उपदेश दिया गया था। धनकोट गाँव कुरुक्षेत्र का समकालीन रहा है।
- हरियाणा में बौद्ध धर्म के दो मुख्य केंद्र रोहतक व अग्रोहा बताए गए हैं।
- बौद्ध धर्म ग्रंथ मंजुमश्रीमुलकल्प में हरियाणा के थानेसर का वर्णन और थानेश्वर में रहने वाले वैश्य लोगों का वर्णन किया गया है।
- चुल्लबग नामक बौद्ध धर्म ग्रंथ के अनुसार अग्रोहा हरियाणा में बौद्ध धर्म का शक्तिशाली केंद्र था।
- महात्मा बुद्ध की हरियाणा यात्राओं के बारे में जानकारी पंपचसूदनी नामक बौद्ध धर्म ग्रंथ से प्राप्त होती है।

6. महाभारत काल में गाय व घोड़ों की सबसे ज्यादा संख्या वाला क्षेत्र कौन-सा था?

(a) पेहोवा **(b) रोहतक**

(c) सोनीपत (d) सिरसा

व्याख्या हरियाणा के रोहतक का वर्णन महाभारत काल के नकुल दिग्विजयम नामक ग्रंथ में मिलता है।

- इस ग्रंथ के अनुसार रोहतक क्षेत्र में गाय और घोड़ों की संख्या महाभारत काल में सबसे ज्यादा थी।
- भगवान कार्तिकेय की पूजा करने वाले रोहतक क्षेत्र के लोगों के साथ नकुल को युद्ध का सामना करना पड़ा था।
- नकुल रोहतक क्षेत्र को जीत कर पश्चिम हरियाणा की ओर आगे बढ़े थे।
- पेहोवा (कुरुक्षेत्र) से प्राप्त मिहिर भोज और महेंद्र पाल के अभिलेख के अनुसार प्राचीन समय में भारत में घोड़ों के व्यापार का मुख्य केंद्र पेहोवा ही था।

7. हरियाणा के अग्रोहा के टीले का उत्खनन किसके द्वारा किया गया था?

(a) श्री एच.एल. श्रीवास्तव (b) श्री बृजमोहन पाण्डे

(c) श्री जगतपति जोशी (d) श्री राधेश्याम जोशी

व्याख्या स्थानीय भाषा में इसे 'थेर' भी कहा जाता है। अग्रोहा की साइट को पारंपरिक रूप से अग्रवाल समुदाय के महान राजा महाराजा अग्रसेन की राजधानी माना जाता है।

- इस स्थल की खुदाई 1888-89 में रोजर्स द्वारा की गई थी और 1938-39 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा लगभग 3.65 मीटर की गहराई तक एच.एल. श्रीवास्तव द्वारा फिर से खुदाई की गई थी। 1978-84 में हरियाणा सरकार के पुरातत्व और संग्रहालय विभाग के श्री पी.के. शरण और श्री जे.एस. खत्री द्वारा इस स्थल की दोबारा से खुदाई की गई थी।
- इस साइट पर पुरातात्विक खुदाई से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से 14वीं शताब्दी ईसवी तक एक मजबूत बस्ती और निरंतर निवास का पता चला।
- पक्की ईंटों से बने आवासीय और सामुदायिक घरों के अलावा, एक बौद्ध स्तूप और एक हिंदू मंदिर के अवशेष जो अगल-बगल मौजूद थे का पता चला।

8. किस भारतवंशी शासक ने हरियाणा राज्य में अपना विजय अभियान शुरू किया था?

(a) सुदास (b) कुरु

(c) भरत (d) दशरथ

व्याख्या सम्राट भरत के समय में राजा हस्ति हुए जिन्होंने अपनी राजधानी हस्तिनापुर बनाई। राजा हस्ति के पुत्र अजमीढ़ को पंचाल का राजा कहा गया है। राजा अजमीढ़ के वंशज राजा संवरण जब हस्तिनापुर के राजा थे तो पंचाल में उनके समकालीन राजा सुदास का शासन था।

- राजा सुदास का संवरण से युद्ध हुआ जिसे कुछ विद्वान ऋग्वेद में वर्णित 'दाशराज्य युद्ध' से जानते हैं।
- राजा कुरु के नाम पर ही सरस्वती नदी के निकट का राज्य कुरुक्षेत्र कहा गया।
- पुराणों के अनुसार कुरुक्षेत्र की सीमा 48 कोस बताई जाती है।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

9. बनावाली किस जिले में स्थित है, जहाँ सिन्धु घाटी सभ्यता के साक्ष्य पाये गये थे?

(a) कुरुक्षेत्र (b) रेवाड़ी

(c) फतेहाबाद (d) करनाल

व्याख्या बनावाली नामक हड़प्पा कालीन स्थल सरस्वती नदी की सहायक रंगोई नदी के किनारे बसा हुआ था। वर्तमान में यह गाँव हरियाणा के फतेहाबाद जिले में घग्घर नदी के किनारे स्थित है।

- इस हड़प्पा कालीन स्थल की खुदाई सर्वप्रथम 1973-74 में रविंद्र सिंह बिष्ट के द्वारा की गई थी।
- इस हड़प्पा कालीन स्थल पर की गई खुदाई से अधजले जौ, जूते हुए खेत, बैलगाड़ी के पहियों के निशान, मिट्टी से बना हुआ हल की आकृति का खिलौना प्राप्त हुआ है।

10. यक्ष यक्षिणियों की मूर्तियाँ निम्न में किस स्थान से प्राप्त नहीं हुई हैं?

(a) पलवल (b) भादस

(c) हथीन **(d) करनाल**

व्याख्या हरियाणा में यक्ष व यक्षिणी की मूर्तियाँ - पलवल, भादस (मेवात), हथीन (पलवल) व फरीदाबाद से मिली हैं।

- इन मूर्तियों को हरियाणा से प्राप्त सबसे प्राचीन मूर्तियाँ माना गया है।
- हरियाणा से प्राप्त इन मूर्तियों का रंग लाल है।

11. चौपड़ की बिसात के नमूने की सड़कें हरियाणा के किस हड़प्पा कालीन सभ्यता से संबंधित स्थल से खुदाई के दौरान प्राप्त हुई?

(a) बनावली (b) राखीगढ़ी

(c) मिताथल (d) दक्षखेड़ा

व्याख्या मिताथल : यह हड़प्पा कालीन स्थल वर्तमान में हरियाणा के भिवानी जिले में स्थित है। मिताथल पुरास्थल पर दो टीले स्थित हैं।

- ऊँचा और प्रमुख टीला पूर्व दिशा में : प्रमुख टीले का क्षेत्रफल 150 × 130 मीटर और ऊँचाई लगभग 5 मीटर है।
- निम्न टीला पश्चिम दिशा में : निचले टीले का क्षेत्रफल 300 × 175 मीटर और ऊँचाई 3 मीटर है।
- मिताथल का पुरास्थल उस वक्त प्रकाश में आया जब वर्ष 1915-16 में गुप्त सिक्कों का एक संग्रह यहाँ प्राप्त हुआ।
- 1965 ई. में मिताथल से ताँबे के दो हारपून तथा टीले के पास से ही नहर खोदते समय 13 रिंग भी प्राप्त हुए हैं।
- पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा 1968 ई. में इस स्थल का उत्खनन प्रारंभ किया गया, इस खुदाई में योजनाबद्ध नगर के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- मिताथल पुरातात्विक स्थल में घर बनाने के लिए कच्ची ईंटों का प्रयोग होता था। मिताथल से प्राप्त ईंटें, कालीबंगा (राजस्थान) से प्राप्त हुई ईंटों के समान है।
- बनावली पुरातात्विक स्थल हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित है। बनावली, फतेहाबाद से उत्तर-पश्चिम में स्थित है। बनावली पुरातात्विक स्थल वर्तमान में घग्घर नदी के किनारे स्थित है।
- राखीगढ़ी पुरास्थल हरियाणा के हिसार जिले की नारनौंद तहसील में स्थित है जो सरस्वती तथा दृषद्वती नदियों के शुष्क क्षेत्र में स्थित है।
- यह स्थल उत्तर भारत में हड़प्पा काल का सबसे विस्तृत पुरातात्विक स्थल है।
- दक्षखेड़ा (फरमाना) रोहतक जिले की महम तहसील में स्थित है। यह हरियाणा में हड़प्पा सभ्यता का दूसरा सबसे बड़ा हड़प्पा कालीन स्थल है। इसकी खुदाई का श्रेय डॉक्टर वसंद शिंदे और विवेक दांगी को जाता है।

12. विचित्र पशु की आकृति हरियाणा के किस हड़प्पा कालीन स्थल से खुदाई के दौरान प्राप्त हुई?

(a) राखीगढ़ी **(b) बनावाली**

(c) मिताथल (d) बालू

व्याख्या बनावाली नामक हड़प्पा कालीन स्थल सरस्वती नदी की सहायक रंगोई नदी के किनारे बसा हुआ था। वर्तमान में यह गाँव हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित है।

- इस हड़प्पा कालीन स्थल की खुदाई सर्वप्रथम 1973-74 में रविंद्र सिंह बिष्ट के द्वारा की गई थी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

- इस हड़प्पा कालीन स्थल पर की गई खुदाई से अधजले जौ, जुते हुए खेत, बैलगाड़ी के पहियों के निशान, मिट्टी से बना हुआ हल की आकृति का खिलौना प्राप्त हुआ है।
- बालू हरियाणा के कैथल जिले के दक्षिण में लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- वर्ष 1977 ई. में इस स्थल की खुदाई डॉ. सूरजभान तथा अमेरिकन पुरातत्ववेता डॉ. जिम जे. शैफर द्वारा की गई थी।
- इस क्षेत्र में लहसुन और हड़प्पा से पूर्व की संस्कृतियों के भी प्रमाण मिले हैं।

13. तीसरी और चौथी शताब्दी के दो अभिलेख हरियाणा के कौन-से स्थान से प्राप्त हुए हैं?

(a) पेहोवा **(b) तोशाम**
(c) करनाल (d) हाँसी

व्याख्या तीसरी और चौथी सदी के दो अभिलेख तोशाम (भिवानी) से प्राप्त हुए हैं जो विष्णु भगत आचार्य शोभत्राता द्वारा निर्मित तालाब की जानकारी प्रदान करते हैं।

- पेहोवा (कुरुक्षेत्र) से 9वीं सदी के 2 अभिलेख प्राप्त हुए जिससे पता चलता है कि पेहोवा घोड़ों के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था।
- खरोष्ठी लिपि में लिखा गया अभिलेख करनाल से प्राप्त हुआ है जिसमें तालाब के निर्माण की जानकारी दी गई है।
- हाँसी से पृथ्वीराज द्वितीय के समय का अभिलेख प्राप्त हुआ है।

14. निम्नलिखित में से किस प्रसिद्ध पुस्तक के माध्यम से हरियाणा के इतिहास के बारे में हमें जानकारी मिलती है?

(a) अष्टाध्यायी (b) हर्षचरित
(c) राज तरंगिणी **(d) सभी**

व्याख्या पाणिनि की प्रसिद्ध पुस्तक अष्टाध्यायी में हरियाणा के कई प्राचीन क्षेत्रों के बारे में जानकारी मिलती है। इस पुस्तक में पानीपत का नाम पाण्डवप्रस्थ, सोनीपत को सोनप्रस्थ, पेहोवा को पृथुदक, सफीदों को सर्पदमन, कैथल को कपिस्थल, हिसार को इसुकार, फतेहाबाद को इंकदार, सिरसा को शैरिषकम आदि नामों से दर्शाया गया है।

- बाणभट्ट द्वारा लिखी गई प्रसिद्ध पुस्तक हर्षचरित में हरियाणा क्षेत्र को श्रीकंठ जनपद नाम से दर्शाया गया है जिसकी राजधानी थानेसर बताई गई है।
- कश्मीर के कवि इतिहासकार कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी में भी हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है। कश्मीर के राजा ललितादित्य मुक्तापीठ ने यहाँ के राजा को हराकर यमुना से कालका तक का प्रदेश अपने अधीन कर लिया था।

15. 4500 वर्ष पुरानी सभ्यता का प्रमाण किस हड़प्पा कालीन स्थल से प्राप्त हुआ?

(a) राखीगढ़ी (b) दक्षखेड़ा
(c) मिताथल (d) बनावाली

व्याख्या राखीगढ़ी भारत में खोजा गया सबसे बड़ा हड़प्पा कालीन स्थल माना जाता है जो प्राचीन समय में घग्घर हकरा नदी के किनारे स्थित था।

- इसकी सर्वप्रथम सफलतम खुदाई का श्रेय 1997-99 में डॉ. अमरेंद्र नाथ दत्त को जाता है। सर्वप्रथम इस हड़प्पा कालीन स्थल की खोज डॉ. सूरजभान द्वारा की गई थी।
- प्रसिद्ध इतिहासकार एम. फड़के के अनुसार इसे पूर्वी हड़प्पा की राजधानी बताया गया है।
- खुदाई के दौरान यहाँ से बड़ी संख्या में मृदभांड और कंकाल प्राप्त हुए हैं। 4500 वर्ष पुरानी सभ्यता का प्रमाण इसी स्थल से प्राप्त होता है।
- नर और मादा कंकाल, सती प्रथा का प्रमाण, सोने की फैक्ट्री का प्रमाण, प्रेमी जोड़े का कंकाल यहीं से प्राप्त हुआ।
- कैंब्रिज यूनिवर्सिटी द्वारा इस हड़प्पा कालीन स्थल पर शोध कार्य भी शुरू किया गया था।
- हाल ही में प्रसिद्ध इतिहासकार वसंत शिंदे द्वारा भी यहाँ पर खुदाई का कार्य किया गया है।
- हरियाणा का दूसरा सबसे बड़ा हड़प्पा कालीन स्थल दक्षखेड़ा (फरमाना) जो महम तहसील (रोहतक जिले) में स्थित है को माना जाता है। यहाँ से 27 कमरों की नींव वाला मकान और लोगों को मिट्टी के बर्तनों के साथ दफनाए जाने का प्रमाण मिलता है।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

SELECTION मतलब EXAM MANCH 250+

Under the
Guidance of *Sandeep Siwach Sir*

Congratulations

SUCCESSFUL STUDENTS

Neetu
SI, HR Police

Preeti
SI, HR Police

Sunil
SI, HR Police

Balwan
SI, HR Police

Vikram
SI, HR Police

Dheeraj
SI, HR Police

Johny
SI, HR Police

Pradeep
SI, HR Police

Praveen
SI, HR Police

Unesh
SI, HR Police

Monika
Constable

Nidhi
Constable

Reena
Constable

Amit
Constable

Bijender
Constable

Deepak
Constable

Hemant
Constable

Mahendar
Constable

Naveen
Constable

Pravesh
Constable

Prince
Constable

Sahil
Constable

Aman
VLDA

Mandeep
VLDA

Sunil
VLDA

Suresh
VLDA

Reeta
ALM

Sachin
ALM

Rahul
ALM

Kishore
ALM

Sonu
ITI Instructor

Anil
ITI Instructor

Yogita
Nursing Officer

Next You

"कामयाबी सुबह के जैसी होती है, मांगने पर नहीं जागने पर मिलती है"

Download Google Play EXAM MANCH App

YouTube GK By Sandeep Siwach

DOREX Printers 9896011117

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner